MATS

एम.ए. (अनुवाद अध्ययन)/M.A. (Translation Studies)

(एम.ए.टी.एस./MATS)

(ओडीएल, ऑनलाइन और ई–विद्याभारती के लिए)

(For ODL, Online and E-vidyabharti)

सत्रीय कार्य (प्रथम वर्ष)

Assignment (First Year)

2024

जनवरी 2024 और जुलाई 2024 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए

For students taking admission in
January 2024 and July 2024 sessions

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

School of Translation Studies and Training
Indira Gandhi National Open University
Maidan Garhi, New Delhi-110068

एम.ए (अनुवाद अध्ययन)

एम.टी.टी. 010–017

सत्रीय कार्य 2024

(जनवरी 2024 और जुलाई 2024 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

कार्यक्रम कोड : एम.ए.टी.एस.

प्रिय विद्यार्थियो,

जैसा कि एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (ऑनलाइन) में कार्यक्रम की 'कार्यक्रम दर्शिका' में आपको बताया गया है, एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) (ऑनलाइन) कार्यक्रम में अध्ययन के साथ–साथ आपको कुछ सत्रीय कार्य भी करने हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम से संबंधित एक सत्रीय कार्य करना है। इस अध्ययन कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में आपको कुल 8 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने हैं। ये सत्रीय कार्य आपकी आंतरिक परीक्षा है तथा इनमें न्यूनतम निर्धारित अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। अतः इन्हें ध्यानपूर्वक और पूरे परिश्रम के साथ संपन्न करें। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों का विभाजन इस प्रकार है :

कार्यक्रम	अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2024 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए	जुलाई 2024 में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के लिए
एम.टी.टी. 010 अनुवाद सिद्धांत	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 011 अनुवाद : इतिहास एवं परंपरा	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 012 अनुवाद और भाषाविज्ञान	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 013 अनुवाद के क्षेत्र	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 014 अनुवाद एवं भारतीय भाषाएँ	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 015 अनुवाद और साहित्य	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 016 अनुवाद और जनसंचार	30.9.2024	31.3.2025
एम.टी.टी. 017 कोशविज्ञान, पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद	30.9.2024	31.3.2025

नोट : अंतिम तिथि के उपरांत सत्रीय कार्य स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

उद्देश्य : एम.ए. (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम के अंतर्गत अनुवाद सिद्धांत, परंपरा, भाषाविज्ञान, अनुवाद के क्षेत्र, मीडिया एवं साहित्य, भारतीय भाषाएँ, अंतर्सांस्कृतिक संप्रेषण तथा कोशविज्ञान एवं पारिभाषिक शब्दावली

और अनुवाद के संबंध पर विचार करते हुए उसके प्रक्रियापरक पहलुओं पर चर्चा की गई है। सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे कहाँ तक व्यवहार में ला सकते हैं। यानी आपको इस योग्य बनाना है कि अध्ययन के दौरान आपको जो जानकारी प्राप्त हुई है उसे अपने भाब्दों में आप विधिवत प्रस्तुत कर सकें और अनुवाद को एक अध्ययन विशय के रूप में भली प्रकार से समझ सकें।

सत्रीय कार्य करते समय ध्यान रखने योग्य कुछ महत्वपूर्ण बातें

- उत्तर के लिए फुलस्केप कागज का ही इस्तेमाल करें।
- प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए अलग उत्तर–पुस्तिका बनाएँ। इस तरह आपके आठ सत्रीय कार्यों के लिए आठ उत्तर–पुस्तिकाएँ होंगी; और
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के दाहिने कोने के सबसे ऊपर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार अपनी नामांकन संख्या, पूरा पता लिखें तथा तिथि सहित हस्ताक्षर करें। नामांकन संख्या की पुष्टि अपने परिचय–पत्र तथा पाठ्य–सामग्री पर दिए गए पते से भी कर लें।
- अपनी उत्तर–पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ के बाएँ कोने पर कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम का कोड, उसका शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड तथा अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

आपका सत्रीय कार्य इस प्रकार आरंभ होना चाहिए :

कार्यक्रम का शीर्षक : .... नामांकन संख्या : ....

नाम : ....

पता : ....
....
....
....

दूरभाष / मोबाइल : ....

पाठ्यक्रम कोड : ....

पाठ्यक्रम का शीर्षक : ....

सत्रीय कार्य कोड : .... हस्ताक्षर : ....

अध्ययन केंद्र का नाम : .... तिथि : ....

- पाठ्यक्रम कोड तथा सत्रीय कार्य के कोड सत्रीय कार्य पर मुद्रित होते हैं और वहाँ से देखकर लिखे जा सकते हैं। प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

- अपने उत्तर केवल फुलस्केप कागज पर लिखें और उन्हें अच्छी तरह नत्थी कर दें। बहुत पतले कागज पर न लिखें। कागज की बायीं ओर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तथा दूसरे उत्तर के बीच कम से कम 4 पंक्तियों का स्थान छोड़ें।

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में, और लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों तथा टिप्पणीपरक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में देने हैं।

- प्रत्येक सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़ें और उसमें यदि कोई विशेष निर्देश दिए गए हों तो उनका पालन करें। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं उन्हें भी ठीक से पढ़कर संदर्भों से मिला लें। प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी का संकलन कर उसे व्यवस्थित करके अपने उत्तर की रूपरेखा बनाएँ। तत्पश्चात् संगत जानकारी पर आधारित अपने उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें।
- सैद्धांतिक प्रश्नों को पहले भली–भाँति समझ लें तत्पश्चात् विभिन्न संकल्पनाओं का भी अध्ययन करें और उत्तर का खाका तैयार करें। इन प्रश्नों का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष के संबंध में विशेष ध्यान दें। प्रस्तावना संक्षिप्त एवं यह स्पष्ट करने वाली होनी चाहिए कि इस प्रश्न से आप क्या समझते हैं और आप क्या लिखने जा रहे हैं। निष्कर्ष में उत्तर का सार एवं मुख्य बिंदुओं पर जोर होना चाहिए। आवश्यक हो तो विश्वविद्यालय द्वारा दी गई अध्ययन सामग्री के अलावा विषय से संबंधित अन्य पुस्तकों, संदर्भों आदि का भी अध्ययन करें। आपके उत्तर सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों से संबद्ध हों तथा उसमें निहित सभी मुख्य बातें शामिल हों।

सत्रीय कार्य समापन से पूर्व इन बिंदुओं पर भी ध्यान दीजिए :

(क) आपके उत्तर आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति प्रश्न के पूर्णतया अनुकूल हो।

(ख) आपके उत्तर अनावश्यक रूप से विस्तारित या संक्षिप्त न हों।

(ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

(घ) आपके उत्तर हस्तलिखित होने चाहिए। आपके उत्तर विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों की नकल न हों। यदि आप ऐसा करते हैं तो कम अंक मिलेंगे।

(ङ) अन्य विद्यार्थियों के उत्तरों से नकल न करें। यदि यह पाया जाता है कि आपने नकल की है तो आपके सत्रीय कार्यों को अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(च) प्रत्येक सत्रीय कार्य को अलग–अलग लिखें। प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या भी अवश्य लिखें।

(छ) **सत्रीय कार्य को पूरा करके इसे मूल्यांकन हेतु अपने अध्ययन केंद्र अर्थात अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ, ब्लॉक–15सी, इग्नू, मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068 को ही प्रेषित करें।**

(ज) सत्रीय कार्य को जमा कराते समय निर्धारित प्रेषण एवं पावती कार्ड पर अध्ययन केंद्र से प्राप्ति दर्ज करा लें ताकि उसे आप परीक्षा फॉर्म के साथ संलग्न कर सकें अथवा अपने रिकॉर्ड में रख सकें।

(झ) यदि आपने क्षेत्र/अध्ययन केंद्र को बदलने के संबंध में निवेदन किया है तो भी आप अपने सत्रीय कार्यों को अपने पहले के अध्ययन केंद्र में ही तब तक भेजते रहें जब तक कि विश्वविद्यालय की ओर से आपको क्षेत्रीय केंद्र बदलने और नए अध्ययन केंद्र की सूचना नहीं भेज दी जाती।

एम.टी.टी.–016 : अनुवाद और जनसंचार (MTT-016: Translation and Media)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (Assignment)
(टी.एम.ए./TMA)

कार्यक्रम कोड / **Programme Code** : एम.ए.टी.एस. / **MATS**
पाठ्यक्रम कोड / **Course Code** : एम.टी.टी.–016 / **MTT-016**
सत्रीय कार्य कोड /**Assignment Code**: ए.एस.एस.टी. / टी.एम.ए. / **2024/ASST/TMA/2024**

अंक / **MM**: 50

नोट : भाग–**I** और **II** में शामिल सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Note: Attempt all the questions of part I & part II

भाग–I/Part-I

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।
Answer the following questions in about 500 words each.

1. भारत में प्रसारण के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का सविस्तार वर्णन कीजिए। 10
Describe in detail the historical perspective of broadcasting in India.

2. सूचना प्रौद्योगिकी और अनुवाद के अंतःसंबंध की चर्चा कीजिए। 10
Discuss the interrelationship of information technology and translation.

भाग–II/Part-II

निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।
Answer the following questions in about 250 words each.

3. प्रिंट मीडिया में अनुवाद की भूमिका का वर्णन कीजिए। 6
Describe the role of translation in print media.

4. डबिंग और सबटाइटलिंग पर टिप्पणी लिखिए। 6
Write a comment on dubbing and subtitling.

5. जनसंचार के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 6
Explain the role of translation in the field of mass media.

6. विज्ञापनों के अनुवाद की आवश्यकता तथा विज्ञापनों के अनुवाद की चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 6
Discuss the need for translation of advertisements and the challenges of translation of advertisements.

7. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 2×3=6
Write short notes on the following topics in about 100 words each.

(क) रंगमंच और अनुवाद/Theater and Translation

(ख) पटकथा और अनुवाद का संबंध/Relationship between script and translation